आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 19.05.2026 समय : 0705

<><><><><><><><><><>

1. द्वीपों के उप–राज्यपाल सेवानिवृत्त एडमिरल डी के जोशी ने क्षेत्रीय अभिलेख सर्वेक्षण समिति का पुनर्गठन कर, जिला अभिलेख सर्वेक्षण समिति का नाम दिया।
2. नेताजी सुभाष चंद्र बोस पुलिस प्रशिक्षण संस्थान की ओर से समुद्री सुरक्षा और तटीय पुलिसिंग पर पाँच–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित।
3. जनगणना 2027 के तहत मकान सूचीकरण का कार्य संपन्न–अब जनसंख्या गणना की तैयारियां शुरू।
4. द्वीपसमूह में तेज़ हवाओं के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

<><><><><><><><><><>

द्वीपों के उप–राज्यपाल सेवानिवृत्त एडमिरल डी के जोशी ने क्षेत्रीय अभिलेख सर्वेक्षण समिति का पुनर्गठन कर उप–समितियों सहित, इसे जिला अभिलेख सर्वेक्षण समिति के नाम से गठित किया है। यह समिति तीनों जिलों के लिए गठित की गई है। इन उप–समितियों का नेतृत्व प्रशासन के संबंधित जिला उपायुक्तों द्वारा किया जाएगा। उप–समिति का मुख्य कार्य द्वीप समूह के इतिहास से संबंधित अभिलेखों/दस्तावेजों, तस्वीरों, पांडुलिपियों आदि का सर्वेक्षण करना और उनकी सूची तैयार करना है। जिन व्यक्तियों/निजी संस्थानों के पास ऐसी जानकारियां उपलब्ध है, वे प्रशासन को इनकी मूल प्रतियाँ या फोटोकॉपी अभिलेखागार सचिवालय में व्यक्तिगत रूप से या फोन नंबर 230695 पर संपर्क कर जमा कर सकते हैं। फोटोकॉपी करवाने में यदि कोई खर्च आता है, तो उसका वहन प्रशासन द्वारा किया जाएगा। जो भी व्यक्ति या संस्थान अपने अभिलेखों और दस्तावेजों को अभिलेखागार के साथ साझा करेंगे उन्हें क्षेत्रीय अभिलेख सर्वेक्षण समिति द्वारा उचित रूप से मान्यता प्रदान की जाएगी।

<><><><><><><><><><>

द्वीपों के उप–राज्यपाल सेवानिवृत्त एडमिरल डी.के. जोशी ने लोक निवास में अंडमान लोक निर्माण विभाग द्वारा मरीन हिल सर्किट हाउस के प्रस्तावित पुनर्विकास के संबंध में प्रस्तुति की समीक्षा की, जिसकी योजना वैश्विक अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार की जा रही है। इस अवसर पर मुख्य सचिव और अंडमान निकोबार प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उधर, द्वीपों के उप–राज्यपाल ने लोक निवास में ANIIDCO द्वारा दी गई एक प्रस्तुति की समीक्षा की। यह प्रस्तुति द्वीप विकास एजेंसी के तहत PPP मोड में विकसित किए जा रहे 5–सितारा रिजॉर्ट परियोजनाओं से संबंधित थी, जो श्री विजया पुरम, शहीद द्वीप, स्वराज द्वीप, लॉन्ग आइलैंड और एवेस आइलैंड में बन रहे हैं, इस दौरान रंगचांग में विश्व–स्तरीय गोल्फ कोर्स और मनोरंजन स्थल के विकास पर भी चर्चा हुई।

<><><><><><><><><><>

नेताजी सुभाष चंद्र बोस पुलिस प्रशिक्षण संस्थान 22 मई तक समुद्री सुरक्षा और तटीय पुलिसिंग पर दूसरा पाँच–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस कार्यक्रम में देश भर के विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और संबद्ध एजेंसियों का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारी ने भाग ले रहे हैं। इस बार के संस्करण को प्रतिक्रिया और सुझावों को शामिल कर फिर से डिजाइन किया गया है, जिससे यह अधिक व्यावहारिक, इंटरैक्टिव और परिणाम–उन्मुख बन गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन अतिरिक्त पुलिस

महानिदेशक, सिंधु पिल्लई ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मुख्य अतिथि ने वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य में समुद्री सुरक्षा के बढ़ते महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक हरगोबिंदर सिंह धालीवाल, पुलिस कर्मचारी तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इसका उद्देश्य समुद्री सुरक्षा और तटीय पुलिसिंग के क्षेत्र में राजपत्रित अधिकारियों की निर्णय लेने और परिचालन क्षमताओं को मजबूत करना है। इस कार्यक्रम ने हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, नई दिल्ली, तमिलनाडु, CISF, IRBn, मत्स्य विभाग, बंदरगाह प्रबंधन बोर्ड और अंडमान और निकोबार पुलिस तथा प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारियों को एक मंच पर एकत्रित कर समुद्री सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर विचार–विमर्श करने, सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का आदान–प्रदान करने और अंतर–एजेंसी समन्वय को बेहतर बनाने के लिए एक साझा मंच प्रदान कर रही है है। इसमें समुद्री सुरक्षा की अवधारणाओं, तटीय सुरक्षा संरचना, समुद्री कानूनों, निगरानी प्रणालियों, अवैध शिकार–रोधी अभियानों, भारतीय तटरक्षक बल की परिचालन भूमिकाओं और खोज एवं बचाव तंत्र पर विस्तृत सत्र शामिल हैं।

<><><><><><><><>

द्वीपों के उप–राज्यपाल सेवानिवृत्त एडमिरल डी.के. जोशी ने जल जीवन मिशन 2.0 के प्रभावी कार्यान्वयन को मजबूत करने के लिए प्रशासन और जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा पुनरुद्धार विभाग, भारत सरकार के बीच MoU पर हस्ताक्षर के लिए वर्चुअली भाग लिया। यह पहल सुरक्षित और टिकाऊ ग्रामीण पेयजल, मजबूत निगरानी,स्रोत की स्थिरता, जल गुणवत्ता की निगरानी, डिजिटल शासन और सामुदायिक स्वामित्व पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य द्वीप समूह की हर ग्राम पंचायत के लिए हर घर जल प्रमाणन प्राप्त करना है। यह सभा माननीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल की उपस्थिति में हुई।

<><><><><><><><>

द्वीपसमूह में जनगणना 2027 के मकान सूचीकरण, का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। इस जनगणना को डिजिटल माध्यम, निगरानी पोर्टल और मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके पूरा किया गया। इस अभ्यास के माध्यम से प्राप्त व्यापक डेटा, भविष्य के बुनियादी ढांचा विकास और पूरे द्वीपसमूह में कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक आवश्यक आधार का काम करेगा। मकान सूचीकरण के पूरा होने के बाद, अब जनसंख्या गणना की तैयारियां शुरू होंगी, जिसे फरवरी 2027 में आयोजित किया जाना निर्धारित किया गया है।

<><><><><><><><>

द्वीपसमूह के एक या दो स्थानों पर चौबीस मई तक तेज़ हवाओं के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। हवा की गति चालीस से पचास किलोमीटर प्रतिघंटा रहेगी, जो बढ़कर साठ किलोमीटर प्रतिघंटा हो सकती है। मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे बाईस मई तक समुद्र में न जाए। श्री विजया पुरम बंदरगाह पर खतरे का संकेत नंबर तीन लगा दिया गया है।

<><><><><><><><>

अंडमान और निकोबार पुलिस की ओर से कल पुलिस लाइन के ड्रिल सभागार में उड़ान समर कैंप का उद्घाटन किया गया। इसका उद्देश्य द्वीपों के बच्चों और युवाओं के बीच खेल, शारीरिक फिटनेस, रचनात्मकता, कौशल विकास, करियर मार्गदर्शन और समग्र व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नियति मित्तल कश्यप, मुख्य अतिथि थी। अपने संबोधन में उन्होंने खेल, अनुशासन और कौशल विकास के महत्व पर जोर देते हुए छात्रों को कैंप की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने और पुलिस द्वारा प्रदान किए गए इस अवसर का सार्थक उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस समर कैंप में एथलेटिक्स, क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, शतरंज, योग और ध्यान, मुक्केबाजी, संगीत, नृत्य, चित्रकला, स्केचिंग और अन्य व्यक्तित्व विकास, कौशल विकास और

करियर मार्गदर्शन जैसी गतिविधियां शामिल हैं, इस सत्र में लगभग 220 छात्र भाग ले रहें है। यह कैंप 17 जून तक पुलिस लाइन, नेताजी स्टेडियम और मरीन डॉकयार्ड सहित विभिन्न स्थानों पर जारी रहेगा।

<><><><><><><>

समग्र शिक्षा केंद और Inner Wheel Club, की ओर से मातृ दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माताओं, बच्चों, कर्मचारियों और अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य 'दिव्यांग बच्चों' की माताओं की असाधारण यात्रा का सम्मान करना, साथ ही परिवारों के बीच भावनात्मक जुड़ाव, समावेश, सशक्तिकरण और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना था। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ, मनोरंजक खेल, एक आनंदमय रैंप वॉक और पेंटिंग सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम का समापन विजेताओं को पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।

<><><><><><><>